

राजस्थान सरकार  
राजस्व विभाग

क्रमांक:- प. ६०१०२ राज-८/९९/७

जयपुर, दिनांक:- १५ फरवरी, २००१

-: अधिसूचना :-

राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, १९५६ वि १९५६ का राजस्थान अधिनियम तं०-१५३ की धारा १०२ के साथ पठित धारा २६। की उप-धारा १२३ के खण्ड ३ × ५२५ द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्य सरकार, राजस्थान भू-राजस्व वि गौशालाओं को भूमि का आवंटन नियम, १९५७ को और संशोधित करने के लिए, इसके द्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:-

१. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ.— इन नियमों का नाम राजस्थान भू-राजस्व वि गौशालाओं को भूमि का आवंटन वि संशोधन नियम, २००१ है।

इसमें ये राजपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होगे।

२. नियम ५ का संशोधन.—राजस्थान भू-राजस्व वि गौशालाओं को भूमि का आवंटन नियम, १९५७, जिन्हें इसमें इसके पश्चात उक्त नियम कहा गया है, के नियम ५ के उप-नियम ३२३ में विभान्न अभिव्यक्ति "कलेक्टर अपनी लिकारिशों सहित आवेदन को या तो आयुक्त को अग्रेषित कर देगा अथवा आवेदन को ऐसे कारणों से, जो लेखद्वारा किये जाएंगे, खारिज कर देगा। अग्रेषित करने से पूर्व" के स्थान पर अभिव्यक्ति "कलेक्टर आवेदन को या तो ऐसे कारणों से, जो लेखद्वारा किये जाएंगे, खारिज कर देगा या आवेदन को स्वीकृत करेगा। आवेदन स्वीकार करने से पूर्व" प्रतिस्थापित की जाएगी।

३. नियम ७ का संशोधन.— उक्त नियमों के नियम ७ के उप-नियम ३२३ में विभान्न अभिव्यक्ति "आयुक्त" के स्थान पर अभिव्यक्ति "कलेक्टर" प्रतिस्थापित की जाएगी।

४. नियम ८ का संशोधन.— उक्त नियमों के नियम ८ की शर्त संख्या ३७३ में विभान्न अभिव्यक्ति "राज्य सरकार को पूर्व मंजूरी" के स्थान पर अभिव्यक्ति "खण्ड आयुक्त की पूर्व मंजूरी" प्रतिस्थापित की जाएगी।

राजस्थान के आदेश से,

शासन उप सचिव, राजस्व